

# रूसी क्रांति (March 1917 to Oct 1917)

क्रांति - यथास्थिति में अचानक से नाटकीय व माथूलयूल परिवर्तन का जाना

उपरोक्त 20 वीं सदी के विश्व इतिहास की महत्वपूर्ण घटना रही

यह रूस की पिछड़ी हुई अर्थव्यवस्था

बिसानों व मजदूरों की विपन्नता

बाइशाही की विरुद्धता (निकोलस II)

जनविद्रोह की परम्परा

कारण :-

→ समाजवादी विचारधारा का प्रभाव - औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप

इस विचारधारा का प्रचार हुआ, इसका उद्देश्य - मजदूरों

की कार्य व आवासीय इकाय में सुधार करना चाहती थी

1902 में Socialist Revolutionary Party की स्थापना हुई, यह

बिसानों को संगठित कर क्रांति लाना चाहती थी

→ बिसानों की विपन्नता - क्रांति के समय लगभग 67% भूमि कुलिन जमींदारों के पास व 13% भूमि-रहित

के हाथों में थी। बहुसंख्यक बिसान भूमिहीन थे व जमींदारों

की भूमि पर काम करते थे। जिनकी शर्तें खुपक्षीय व असंतुलित थी

जमींदार बिसानों से बेगार लेते थे जिसे कोरवी कहा जाता था।

→ मजदूरों की जीवन पश्चा - रूस में 19 वीं सदी के उत्तरार्द्ध में औद्योगिकीकरण प्रारम्भ हुआ, इसके कारण

दुखीपतियों के मुनाफे को प्रमुखता देकर मजदूरों के हितों को उपेक्षा किया गया।

→ तत्कालीन कारण - 1917 में रूस के मित्रराष्ट्रों की मदद से

शाकिल होने के कारण मार्क्सिस्टों का सामना करना पड़ा, कृषि उत्पादन में गिरावट आयी, अतिरिक्त

कर, मुद्रास्फूर्ति के चलते 7 March 1917 को स्थिति



अनियंत्रित हो गयी, जिससे गरीब मजदूरों के पेटोग्राड की  
सड़को पर दुकानों को लुटना प्रारम्भ कर दिया। यही आँति का  
आरम्भ था।

↳ अन्ततः क्रांतिकारियों के साथ सेना के मिल जाने से 15 March  
1917 को जार निकोलस II ने सिंहासन का परित्याग कर  
दिया। इस प्रकार 300 साल से चले आ रहे रोमानोव  
राजवंश का अंत हो गया।

परिणाम :-

⇒ राजनीतिक परिणाम - जारशाही की समाप्ति & समाजवादी शासन की  
व्यवस्था की स्थापना

↳ 10 Oct 1917 की आँति ने कोल्शेविक ( कम्युनिस्ट ) सरकार की स्थापना

↳ नवगठित सरकार ने 1918 में जर्मनी के साथ ब्रेस्ट लिटोवस्क  
की संधि का रुस को 1/4 भाग स पृथक् कर दिया।

↳ विश्व दो वैचारिक गुटों में बंट गया था। - पूँजीवादी & साम्राज्यवादी

↳ शीत युद्ध का प्रारम्भ

⇒ आर्थिक -

↳ आर्थिक असमानता का अन्त

↳ रुस का आर्थिक & औद्योगिक विकास

↳ किसान & मजदूरों के जीवन स्तर में सुधार

⇒ सामाजिक

↳ वर्गभेद की समाप्ति

↳ धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा

↳ शिक्षा का विकास

↳ महिलाओं की स्थिति में परिवर्तन